

विभाग, ग्रंथ संधि, ग्रंथ विच्छेद, अध्याय विशेष
जैसे- इस महाकाव्य में कुल सोलह परिच्छेद हैं
3. माप।

परिच्छेदक वि. (तत्.) 1. सीमा निर्धारित करने
वाला, हद तय करने वाला 2. बिलगाने वाला,
पृथक या अलग करने वाला 3. हद, सीमा,
मर्यादा 5. माप, गणना या गिनती, नाप।

परिच्छेदन पुं. (तत्.) 1. विभाजन, बँटवारा, खंड
2. पुस्तक का अध्याय, विभाग 3. अवधारणा,
विवेचन 4. निर्णय।

परिच्छेदातीत वि. (तत्.) 1. जिसका परिच्छेद न
हो सके, जिसकी सीमा या अवधि का निर्धारण
न हो सके 2. समस्त परिभाषाओं से परे।

परिच्छेद्य वि. (तत्.) 1. गिनने, नापने अथवा
तौलने योग्य, परिमेय 2. विभाज्य, अलग करने
योग्य 3. जिसकी परिभाषा उचित ढंग से की जा
सके।

परिच्युत वि. (तत्.) 1. सर्वथा भ्रष्ट 2. पतित,
गिरा हुआ 3. जाति या पंक्ति से बहिष्कृत,
बिरादरी-बाहर।

परिच्युति स्त्री. (तत्.) 1. गिरना, पतन, स्खलन
2. परिच्युत होने का भाव, होने की अवस्था।

परिछाही स्त्री. (देश.) दे. परछाई।

परिजन पुं. (तत्.) 1. परिवार, आश्रित वर्ग, पोष्य
वर्ग जैसे- पत्नी, पुत्र, सेवक जो किसी पर
अवलंबित हैं 2. सदैव साथ रहने वाला अनुचर,
सेवक।

परिजनता स्त्री. (तत्.) 1. परिजन होने का भाव
2. अधीनता।

परिजन्मा पुं. (तत्.) 1. चंद्रमा 2. अग्नि।

परिजपित वि. (तत्.) मंद स्वर में जपित, धीमे-
धीमे उच्चरित प्रार्थना या जप।

परिजप्त वि. (तत्.) मोहित, मुग्ध दे. परिजपित।

परिजय्य वि. (तत्.) 1. चारों ओर जय करने में
समर्थ 2. सभी ओर जीत सकने वाला।

परिजल्पित पुं. (तत्.) 1. चित्रजल्प का एक भेद
2. सेवक द्वारा अपने मालिक के दुर्गुण बखानते
हुए प्रकारांतर से अपने गुण, कौशल या उत्कर्ष
आदि को व्यक्त करना 3. उपेक्षित नायिका
द्वारा व्यंग्यपूर्ण शब्दों में नायक की निर्दयता
बखानना।

परिजात वि. (तत्.) उत्पन्न, जन्मा हुआ।

परिज्ञप्ति स्त्री. (तत्.) 1. बातचीत, कथोपकथन,
वार्तालाप 2. पहचानना, अच्छी तरह जानना 3.
परिचय।

परिज्ञा स्त्री. (तत्.) 1. ज्ञान, विशुद्ध ज्ञान 2.
सूक्ष्म ज्ञान, निश्चयात्मक ज्ञान, प्रामाणिक ज्ञान
दे. परिज्ञान।

परिज्ञाता वि. (तत्.) अच्छी तरह से जानने वाला,
पहचानने वाला।

परिज्ञान पुं. (तत्.) 1. किसी वस्तु का भली-भाँति
ज्ञान, पूर्ण ज्ञान, सम्यक ज्ञान 2. निश्चयात्मक
ज्ञान, विश्वस्त ज्ञान, विशुद्ध ज्ञान, प्रामाणिक
ज्ञान 3. सूक्ष्म ज्ञान, अंतर तथा भेद विषयक ज्ञान।

परिज्वा वि. (तत्.) 1. चंद्रमा 2. अग्नि 3. सेवक,
नौकर 4. यज्ञ कर्त्ता, याजक 5. इंद्र।

परिणत वि. (तत्.) 1. अत्यधिक झुका हुआ, अति-
नत, नम्र 2. जो बदल गया हो, बदल कर कुछ
से कुछ हो गया हो, रूपांतरित जैसे- दूध का दही
में बदल जाना, आइस्क्रीम में बदल जाना 3.
पका हुआ 4. पचा हुआ, रसादि में परिवर्तित
भोजन 5. प्रौढ़, पुष्ट, उन्नत, बढ़ा हुआ 6.
समाप्त।

परिणति स्त्री. (तत्.) 1. झुका हुआ, झुकाव, नीचे
की ओर, अवनति 2. बदलना, रूपांतर होना, विकृति,
परिणयन 3. अच्छी तरह पचने की स्थिति या